DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 7/7 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**

Date: 23.07.10 **Fax: 0651-2450073**

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन रॉंची जिला के लिए

(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	10	15	15	15	5
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	32	31	30	29	29
न्युनतम तापमान	25	25	24	23	23
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	85-97	95-99	98-99	72-98	63-88
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	6	15	22	15	7
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार **21** जुलाई तक **रॉची** जिला में धान की खेती **8480** हेक्टर में (सीधी बोआई **5140** हेक्टर में तथा रोपाई **3340** हेक्टर में), मकई की बोआई **944** हेक्टर में तथा दलहनी फसल की बोआई **553** हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से काफी कम है। अगले तीन - चार दिनों में **50 - 60** मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है। अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें। संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर धान एवं मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें।
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें। बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें। दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के **15** दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई - गुडाई करें।
धान	वैसे खेत, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरुस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए। इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है। अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें। जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे **15** से **20** दिनों के बाद युरिया का भुरकाव **2** किलोग्राम प्रति **100** वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें। **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग **40 - 50** क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर **30** सेंटीमिटर चौडी नाली बना दें। रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा **25** सेंटीमिटर की दूरी पर रोपें।
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान **3** जी) दवा का **5 – 7** दाना प्रति गाभा डालें। मकई की जो फसल लगभग **30** दिनों की हो गयी हो, उसमें खर – पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव **30** किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें।
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 7/7 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**
Date: 23.07.10 **Fax: 0651-2450073**

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन खूंटी जिला के लिए
(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	10	15	15	15	5
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	32	31	30	29	29
न्युनतम तापमान	25	25	24	23	23
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	85-97	95-99	98-99	72-98	63-88
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	6	15	22	15	7
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक खूंटी जिला में धान की सीधी बोआई 11200 हेक्टर में, मकई की बोआई 1048 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 556 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 123 हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से काफी कम है। अगले तीन - चार दिनों में 50 - 60 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है। अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें। संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर धान एवं मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें।
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें। बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें। दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके।
धान	वैसे खेत, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरुस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए। इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है। अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें। जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें। **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमीटर चौडी नाली बना दें। रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपें।
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 – 7 दाना प्रति गाभा डालें। मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर – पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें।
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 7/7 AAS / KANKE
Ph: 0651-2450624
Fax: 0651-2450073

Date: 23.07.10

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन बोकारो जिला के लिए

(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	11	15	14	15	7
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	31	28	29	28	28
न्युनतम तापमान	25	25	24	23	23
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	87-98	91-100	98-99	78-99	62-90
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	4	15	24	17	4
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक **बोकारो** जिला में धान की सीधी बोआई मात्र 55 हेक्टर में, मकई की बोआई 3984 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 43 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 21 हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से काफी कम है। अगले तीन - चार दिनों में 50 - 60 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है। अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें। संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर धान एवं मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें।
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें। बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें। दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्वर से उपचारित करें। जो किसान भाई पहले ही बोआई कर चुके हैं तथा अंकुरण खेत में समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज की बोआई करें या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाडकर खाली जगह में लगा दें। जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके।
धान	वैसे खेत, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरुस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए। इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है। अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें। जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें। **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमीटर चौडी नाली बना दें। रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपें।
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 – 7 दाना प्रति गाभा डालें। मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर – पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें।
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY

BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 7/7 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**

Date: 23.07.10 **Fax: 0651-2450073**

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन हजारीबाग जिला के लिए
(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	10	15	10	10	5
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	33	32	32	32	32
न्युनतम तापमान	25	25	25	24	24
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	89-99	87-99	97-97	76-97	63-86
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	4	13	24	19	4
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक **हजारीबाग** जिला में धान की सीधी बोआई 375 हेक्टर में तथा रोपाई 10 हेक्टर में, मकई की बोआई 4788 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 1196 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 67 हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से काफी कम है| अगले तीन - चार दिनों में 40 - 50 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है|अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें| संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर धान एवं मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें|
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें| बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें| दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें| जो किसान भाई पहले ही बोआई कर चुके हैं तथा अंकुरण खेत में समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज की बोआई करें या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाडकर खाली जगह में लगा दें| जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके|
धान	वैसे खेत, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरूस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए| इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है| अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें| जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें| **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें| किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमीटर चौडी नाली बना दें|रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपें|
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 – 7 दाना प्रति गाभा डालें| मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर – पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें|
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें|

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

Ref.: 7/7 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**

Date: 23.07.10 **Fax: 0651-2450073**

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन रामगढ जिला के लिए
(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	10	15	10	10	5
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	33	32	32	32	32
न्युनतम तापमान	25	25	25	24	24
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	89-99	87-99	97-97	76-97	63-86
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	4	13	24	19	4
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक **रामगढ** जिला में धान की सीधी बोआई 20 हेक्टर में तथा रोपाई 15 हेक्टर में,मकई की बोआई 3890 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 348 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 15 हेक्टर में हो चुकी है। अगले तीन - चार दिनों में 40 - 50 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है।अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें। संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर धान एवं मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें।
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें। बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें। दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके।
धान	इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है। अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें। जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें। मध्यम जमीन, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरुस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए। **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमीटर चौडी नाली बना दें।रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपें।
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 – 7 दाना प्रति गाभा डालें। मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर – पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें।
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

Ref.: 7/7 AAS / KANKE
Ph: 0651-2450624
Fax: 0651-2450073

Date: 23.07.10

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन चतरा जिला के लिए

(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	5	12	10	5	7
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	34	34	33	32	32
न्युनतम तापमान	25	25	25	24	24
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	86-99	77-99	87-89	64-92	62-83
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	7	11	19	19	4
हवा की दिशा	पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक **चतरा** जिला में धान की सीधी बोआई 259 हेक्टर में तथा रोपाई 46 हेक्टर में, मकई की बोआई 1723 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 306 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 48 हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से काफी कम है। अगले तीन - चार दिनों में 30 - 40 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है।अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें। संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें।
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें। बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें। दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। जो किसान भाई पहले ही बोआई कर चुके हैं तथा अंकुरण खेत में समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज की बोआई करें या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाडकर खाली जगह में लगा दें। जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके।
धान	इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है। अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें। जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें। मध्यम जमीन, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरुस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए। **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमीटर चौडी नाली बना दें।रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपें।
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 – 7 दाना प्रति गाभा डालें। मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर –पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें।
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE
DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 7/7 AAS / KANKE
Ph: 0651-2450624
Date: 23.07.10
Fax: 0651-2450073

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन गुमला जिला के लिए
(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	10	15	15	15	5
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	34	34	33	32	32
न्युनतम तापमान	24	25	24	23	23
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	87-98	93-97	93-98	75-96	71-92
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	7	11	19	15	7
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक **गुमला** जिला में धान की सीधी बोआई 64700 हेक्टर में तथा रोपाई 1298 हेक्टर में, मकई की बोआई 2729 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 16339 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 3677 हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से अभी भी कम है। अगले तीन - चार दिनों में 50 - 60 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है। अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें। संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर धान एवं मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें।
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें। बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें। दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। जो किसान भाई पहले ही बोआई कर चुके हैं तथा अंकुरण खेत में समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज की बोआई करें या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाडकर खाली जगह में लगा दें। जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके।
धान	इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है। अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें। जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें। मध्यम जमीन, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरुस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए। **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमीटर चौडी नाली बना दें। रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपें।
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्वोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 – 7 दाना प्रति गाभा डालें। मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर –पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें।
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढवन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE
DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 7/7 AAS / KANKE

Date: 23.07.10

Ph: 0651-2450624

Fax: 0651-2450073

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन सिमडेगा जिला के लिए
(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	10	15	15	15	5
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	34	34	33	32	32
न्युनतम तापमान	24	25	24	23	23
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	87-98	93-97	93-98	75-96	71-92
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	7	11	19	15	7
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक **सिमडेगा** जिला में धान की सीधी बोआई 14152 हेक्टर में तथा रोपाई 3457 हेक्टर में, मकई की बोआई 1217 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 1642 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 1398 हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से काफी कम है| अगले तीन - चार दिनों में 50 - 60 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है|अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें| संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर धान एवं मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें|
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें| बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें| दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें| जो किसान भाई पहले ही बोआई कर चुके हैं तथा अंकुरण खेत में समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज की बोआई करें या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाडकर खाली जगह में लगा दें| जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके|
धान	इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है| अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें| जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें| मध्यम जमीन, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरुस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए| **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें| किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमीटर चौडी नाली बना दें|रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपें|
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 – 7 दाना प्रति गाभा डालें| मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर –पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें|
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें|

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY

BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 7/7 AAS / KANKE
Date: 23.07.10
Ph: 0651-2450624
Fax: 0651-2450073

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन लोहरदग्गा जिला के लिए

(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	8	15	12	8	7
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	33	32	32	32	31
न्युनतम तापमान	25	24	24	24	24
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	87-98	90-99	97-98	75-99	68-94
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	4	13	20	20	7
हवा की दिशा	उत्तर पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक **लोहरदग्गा** जिला में धान की सीधी बोआई 2290 हेक्टर में तथा रोपाई 2555 हेक्टर में, मकई की बोआई 8760 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 4860 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 3050 हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से काफी कम है। अगले तीन - चार दिनों में 30 - 40 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है।अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें। संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें।
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें। बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें। दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। जो किसान भाई पहले ही बोआई कर चुके हैं तथा अंकुरण खेत में समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज की बोआई करें या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाडकर खाली जगह में लगा दें। जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके।
धान	इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है। अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें। जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें। मध्यम जमीन, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरुस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए। **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमीटर चौडी नाली बना दें।रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपें।
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 –7 दाना प्रति गाभा डालें। मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर –पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें।
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE
DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 7/7 AAS / KANKE
Date: 23.07.10
Ph: 0651-2450624
Fax: 0651-2450073

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन पलामु जिला के लिए
(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	5	15	10	5	7
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	36	36	35	35	34
न्युनतम तापमान	26	25	25	25	25
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	92-97	75-99	83-87	61-90	63-81
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	7	11	19	15	4
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक पलामु जिला में धान की सीधी बोआई मात्र 603 हेक्टर में, मकई की बोआई 13564 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 12085 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 1096 हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से कम है। अगले तीन - चार दिनों में 25 - 30 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है। अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें। संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें।
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें। बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें। दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। जो किसान भाई पहले ही बोआई कर चुके हैं तथा अंकुरण खेत में समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज की बोआई करें या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाडकर खाली जगह में लगा दें। जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके।
धान	इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है। अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें। जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें। मध्यम जमीन, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरुस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए। **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमीटर चौडी नाली बना दें।रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपें।
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 – 7 दाना प्रति गाभा डालें। मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर – पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें।
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE
DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY
BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 7/7 AAS / KANKE **Ph: 0651-2450624**

Date: 23.07.10 **Fax: 0651-2450073**

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन गढवा जिला के लिए
(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	5	15	10	5	7
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	36	36	35	35	34
न्युनतम तापमान	26	25	25	25	25
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	90-96	82-99	82-90	62-94	65-81
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	7	13	19	13	7
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक **गढवा** जिला में धान की सीधी बोआई मात्र 120 हेक्टर में, मकई की बोआई 8450 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 11040 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 1750 हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से काफी कम है। अगले तीन - चार दिनों में 25 - 30 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है। अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें। संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें।
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें। बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें। दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। जो किसान भाई पहले ही बोआई कर चुके हैं तथा अंकुरण खेत में समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज की बोआई करें या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाडकर खाली जगह में लगा दें। जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके।
धान	इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है। अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें। जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें। मध्यम जमीन, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरूस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए। **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमीटर चौडी नाली बना दें। रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमीटर की दूरी पर रोपें।
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 – 7 दाना प्रति गाभा डालें। मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर – पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें।
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर

DISTRICT AGROMET ADVISORY SERVICE

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL PHYSICS & METEOROLOGY

BIRSA AGRICULTURAL UNIVERSITY, KANKE, RANCHI – 834006

Ref.: 7/7 AAS / KANKE
Date: 23.07.10
Ph: 0651-2450624
Fax: 0651-2450073

मौसम खेती परामर्श बुलेटिन लातेहार जिला के लिए
(24 से 28 जुलाई के लिए)

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पॉच दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान

	24 जुलाई	25 जुलाई	26 जुलाई	27 जुलाई	28 जुलाई
वर्षा (मिलीमीटर)	5	15	10	5	7
आकाश में बादल की स्थिति	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे	बादल रहेंगे
अधिकतम तापमान	36	36	35	35	34
न्युनतम तापमान	26	25	25	25	25
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	90-96	82-99	82-90	62-94	65-81
हवा की गति (कि.मी.प्रति घंटा)	7	13	19	13	7
हवा की दिशा	दक्षिण पश्चिम की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	उत्तर पूर्व की ओर से	दक्षिण पूर्व की ओर से	दक्षिण पश्चिम की ओर से

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

	कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के अनुसार 21 जुलाई तक **लातेहार** जिला में धान की सीधी बोआई 426 हेक्टर में, मकई की बोआई 10772 हेक्टर में, दलहनी फसल की बोआई 7991 हेक्टर में तथा तेलहनी फसल की बोआई 924 हेक्टर में हो चुकी है जो कि लक्ष्य से अवी भी कम है। अगले तीन - चार दिनों में 25 - 30 मिलीमीटर वर्षा होने की संभावना है।अत: किसान भाई जल्द से जल्द ऊपरी जमीन में यथा संभव विभिन्न फसलों की बोआई समाप्त कर लें। संभावित वर्षा का लाभ उठाते हुए पानी को अपने खेत में जमा कर मडुआ के रोपा का कार्य प्रारम्भ करें।
टॉड खेत (ऊपरी जमीन)	जो किसान भाई विभिन्न फसलों जैसे धान, मकई, अरहर, उडद इत्यादि की बोआई अभी तक नहीं कर पाए हैं वे जल्द से जल्द इन फसलों की बोआई अनुशंसित विधि से करें। बोआई से पहले बीज को फफुँदीनाशक दवा के साथ उपचारित कर लें। दलहनी फसल के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। जो किसान भाई पहले ही बोआई कर चुके हैं तथा अंकुरण खेत में समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज की बोआई करें या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाडकर खाली जगह में लगा दें। जो किसान भाई विभिन्न फसल की बोआई कर चुके हैं वे फसलों की बोआई के 15 दिनों बाद खर - पतवार नियंत्रित करने के लिए निकाई -गुडाई का कार्य करें ताकि मिट्टी में ज्यादा से ज्यादा नमी रह सके।
धान	इस समय रोपा करने लायक पर्याप्त पानी नहीं हुआ है तथा भारी वर्षा की संभावना भी नहीं है। अत: किसान भाई अपने बिचडे का समुचित देखभाल करें तथा बीजस्थली में समुचित नमी बनाए रखें। जो किसान जुलाई माह में धान का बिचडा तैयार करने के बीज को बीजस्थली में गिराए हैं वे 15 से 20 दिनों के बाद युरिया का भुरकाव 2 किलोग्राम प्रति 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल की दर से करें। मध्यम जमीन, जिनमें धान का रोपा करना है, अगर उन खेतों में जोताई की आवश्यकता हो तो, खेत को जोतकर मिट्टी को खुला छोड दें तथा मेढों को दुरुस्त कर लें ताकि खेतों में जल जमाव हो सके, साथ ही साथ खर- पतवार भी भली भॉति सड जाए। **जो किसान भाई श्री विधि से धान की खेती करना चाहते हैं** वे रोपा के लिए खेत की तैयारी करें। किसान भाई रोपा वाले खेतों में गोबर का खाद/ कम्पोस्ट/वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि का प्रयोग 40 - 50 क्विंटल प्रति एकड की दर से करें तथा जल निकास के लिए प्रति दो मीटर की दूरी पर 30 सेंटीमिटर चौडी नाली बना दें।रोपा करने के पहले खेत से पानी निकाल दें तथा एक - एक बिचडा 25 सेंटीमिटर की दूरी पर रोपें।
मकई	मकई की फसल में तना छेदक कीडों का प्रकोप नजर आने पर दानेदार कीटनाशी फ्युराडान (कार्बोफ्युरान 3 जी) दवा का 5 – 7 दाना प्रति गाभा डालें। मकई की जो फसल लगभग 30 दिनों की हो गयी हो, उसमें खर –पतवार निकालकर युरिया का भुरकाव 30 किलोग्राम प्रति एकड की दर से करें तथा मिट्टी चढा दें।
मडुआ	जो किसान भाई अभी तक मडुआ का रोपा नहीं कर पाए हैं वे समुचित वर्षा होने के बाद अविलम्ब अपने खेतों की मेढबन्दी कर रोपा का कार्य आरंभ करें।

(ए. वदूद)
नोडल आफिसर